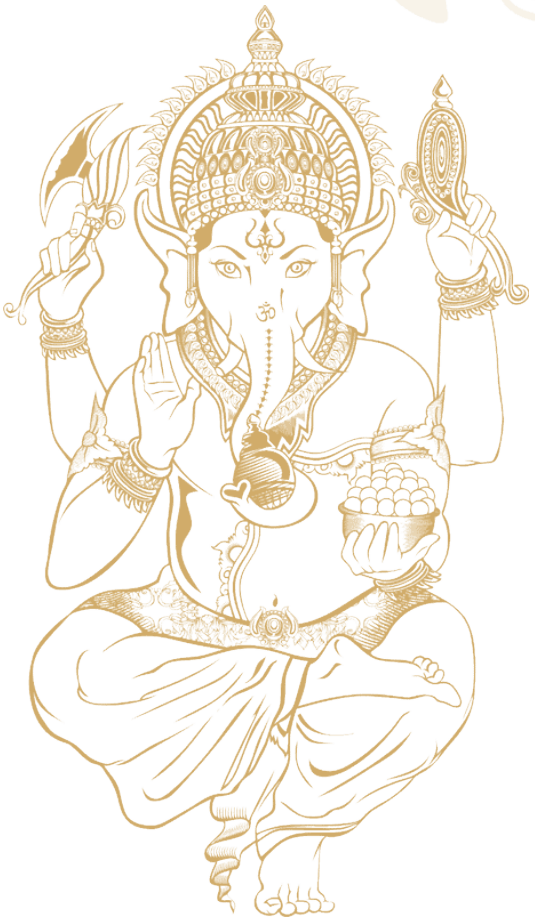

Mr.nihal

Ms.srishti chawsariya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119832407

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15/10/1996	जन्म तिथि	17/01/1996
मंगलवार	दिन	बुधवार
घंटे 13:10:00	जन्म समय	07:38:00 घंटे
घटी 18:52:10	जन्म समय(घटी)	03:07:56 घटी
India	देश	India
Kharagpur	स्थान	Kolkata
22:23:00 उत्तर	अक्षांश	22:34:00 उत्तर
87:22:00 पूर्व	रेखांश	88:21:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:19:28	स्थानिक संस्कार	00:23:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:37:07	सूर्योदय	06:19:13
17:15:16	सूर्यास्त	17:13:52
23:48:45	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:14

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 2वर्ष 3मा 5दि	12:15:31	मक	लग्न	मक	23:09:42	शनि 3वर्ष 11मा 24दि
बुध	28:25:07	कन्या	सूर्य	मक	02:25:48	शुक्र
20/01/2018	01:26:44	वृश्चि	चंद्र	वृश्चि	13:52:18	11/01/2024
20/01/2035	27:40:13	कर्क	मंगल	मक	12:58:18	11/01/2044
बुध 18/06/2020	16:13:18	कन्या	बुध व	मक	06:34:39	शुक्र 12/05/2027
केतु 15/06/2021	16:39:01	धनु	गुरु	धनु	09:16:11	सूर्य 11/05/2028
शुक्र 15/04/2024	19:15:23	सिंह	शुक्र	कुंभ	08:30:45	चन्द्र 10/01/2030
सूर्य 19/02/2025	08:45:08	मीन व	शनि	कुंभ	26:51:06	मंगल 12/03/2031
चन्द्र 22/07/2026	14:10:30	कन्या व	राहु व	कन्या	27:39:51	राहु 12/03/2034
मंगल 19/07/2027	14:10:30	मीन व	केतु व	मीन	27:39:51	गुरु 10/11/2036
राहु 04/02/2030	06:50:29	मक	हर्ष	मक	06:28:37	शनि 11/01/2040
गुरु 12/05/2032	01:11:06	मक	नेप	मक	01:28:49	बुध 10/11/2042
शनि 20/01/2035	07:40:10	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	08:37:51	केतु 11/01/2044

लग्न-चलित

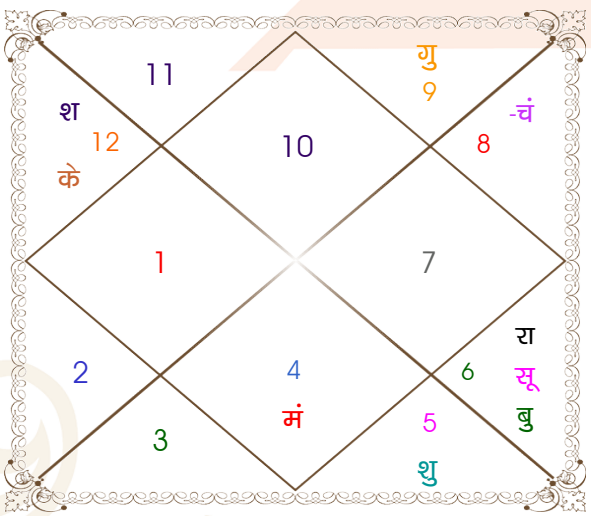

लग्न-चलित

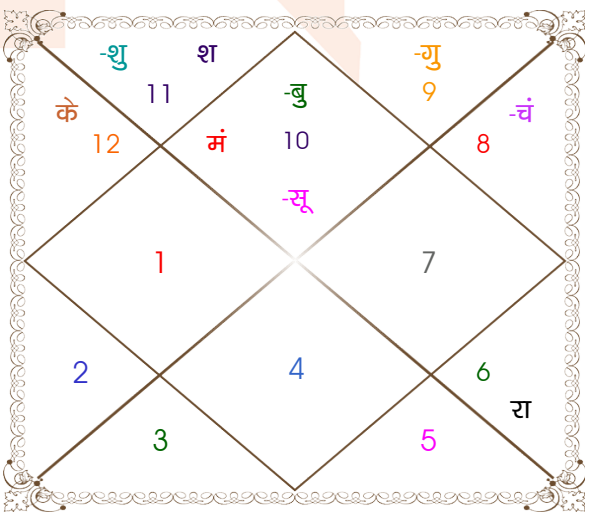

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	कीटक	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मृग	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Mr.nihal का वर्ग सर्प है तथा Ms.srishti chawsariya का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.nihal और Ms.srishti chawsariya का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.nihal मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr.nihal कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.nihal कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.srishti chawsariya मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में कर्क राशि तथा लग्न में मकर राशि का मंगल हो तब मंगली दोष समापत समझना चाहिए।

क्योंकि मंगल Ms.srishti chawsariya कि कुण्डली में प्रथम भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.srishti chawsariya कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.nihal कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.nihal तथा Ms.srishti chawsariya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।